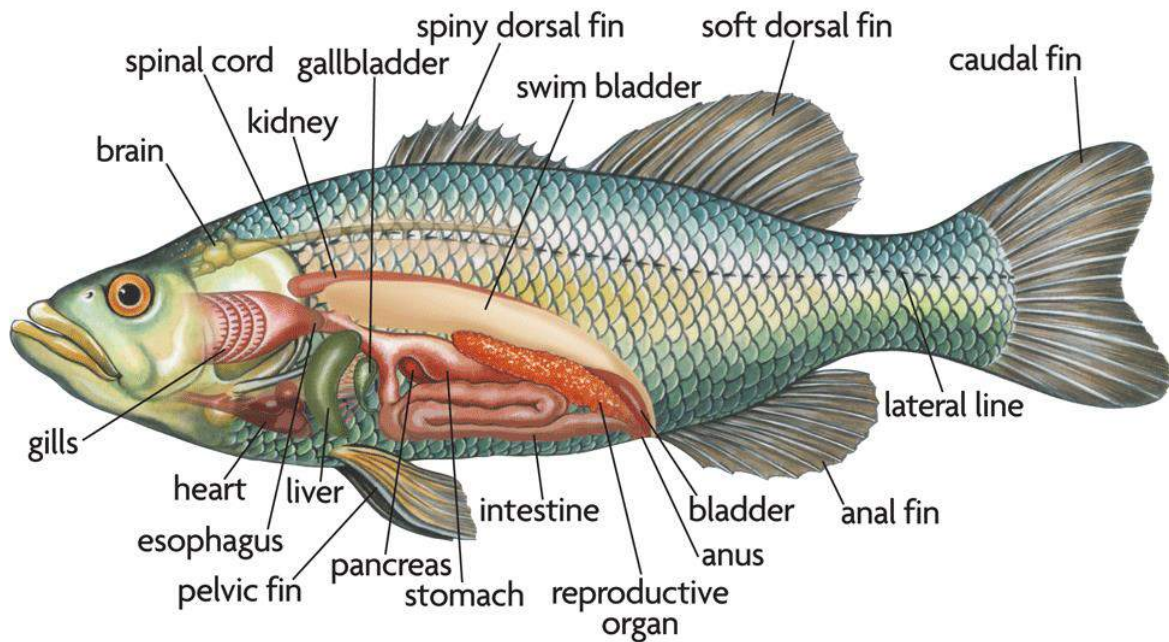
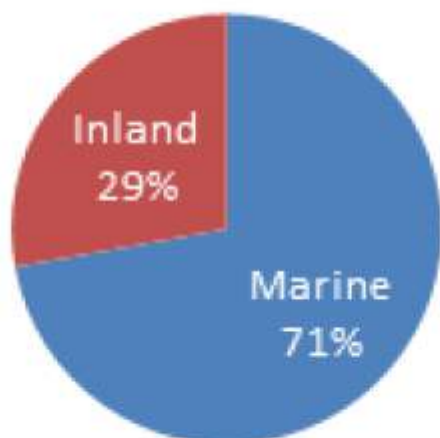


## मत्स्य



- एक मछली एक दरिद्र चमड़ी कशेरुकी है कि पानी में तैरती है और गहरे नाले का उपयोग कर सांस
- अधिकांश मछली एक तरफामाइक ("ठंडे खून वाले") हैं, जिससे उनके शरीर के तापमान में परिवेश के तापमान में परिवर्तन होता है यानी वे अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं।
- हालांकि सफेद शार्क और ट्यूना जैसे बड़े सक्रिय तैराकों में से कुछ एक उच्च कोर तापमान पकड़ कर सकते हैं।

### मत्स्य पालन का प्रतिशत हिस्सा (2017-18)





## मत्स्य पालन के प्रकार:

**फिन मत्स्य पालन** - सच्ची मछलियों के फिन मत्स्य पालन।

गैर-फिन मत्स्य पालन-गैर-फिन मत्स्य पालन सच्चा मछली जैसे झींगा, केकड़ा, लॉबस्टर, कौड़ी, सीप, समुद्री खीरे, मेंढक, समुद्री खरपतवार आदि के अलावा अन्य जीवों का मत्स्य पालन है।

फिन मत्स्य पालन को आगे दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

1. मत्स्य पालन पर कब्जा
2. संस्कृति मत्स्य पालन

### 1. मत्स्य पालन पर कब्जा:

यह समुद्र, नदियों, जलाशयों आदि में किया जाता है। ब्रूडर और किशोरों सहित मछलियों को अंधाधुंध पकड़ने के कारण मछली की उपज धीरे-धीरे मछली पकड़ने में कम हो जाती है।

#### a) समुद्री मत्स्य पालन:

- समुद्री तटों के साथ मछली पकड़ने के संचालन के साथ ये सौदों
- भारतीय उपमहाद्वीप में लगभग 5600 किलोमीटर लंबा समुद्र तट है
- भारत की लगभग 80% समुद्री मछलियों की आपूर्ति पश्चिमी तट और शेष 20% पूर्वी तट द्वारा की जाती है

#### b) ताजा पानी मत्स्य पालन या अंतर्देशीय मत्स्य पालन:

- इनमें नदियों, सिंचाई नहरों, जलाशयों, झीलों, टैंकों और तालाबों में पाई जाने वाले मछलियां शामिल हैं।
- रोहू, कैटला, मायस्टस, गौरामी और गैम्बुसिया ताजे पानी की मछलियों की कुछ बेहतरीन किस्में हैं

## 2. संस्कृति मत्स्य पालन

**संस्कृति मत्स्य पालन के प्रकार:**

- **मीठे पानी की जलकृषि**- खेती मीठे पानी में की जाती है।
- **खारे पानी जलकृषि**- समुद्री जल और मीठे पानी का मिश्रण
- **समुद्री पिंजरे संस्कृति**-खेती समुद्र के पानी में किया जाता है।
- **सजावटी मछली संस्कृति**- एक सीमित जलीय प्रणाली में पाला।

## एकाकल्चर:

एकाकल्चर में उपयोगी जलीय संयंत्र और पशु संसाधनों जैसे मछली और शैल मछली, (झींगा, मोलस्क, केकड़ों आदि) का पालन और प्रबंधन शामिल है।

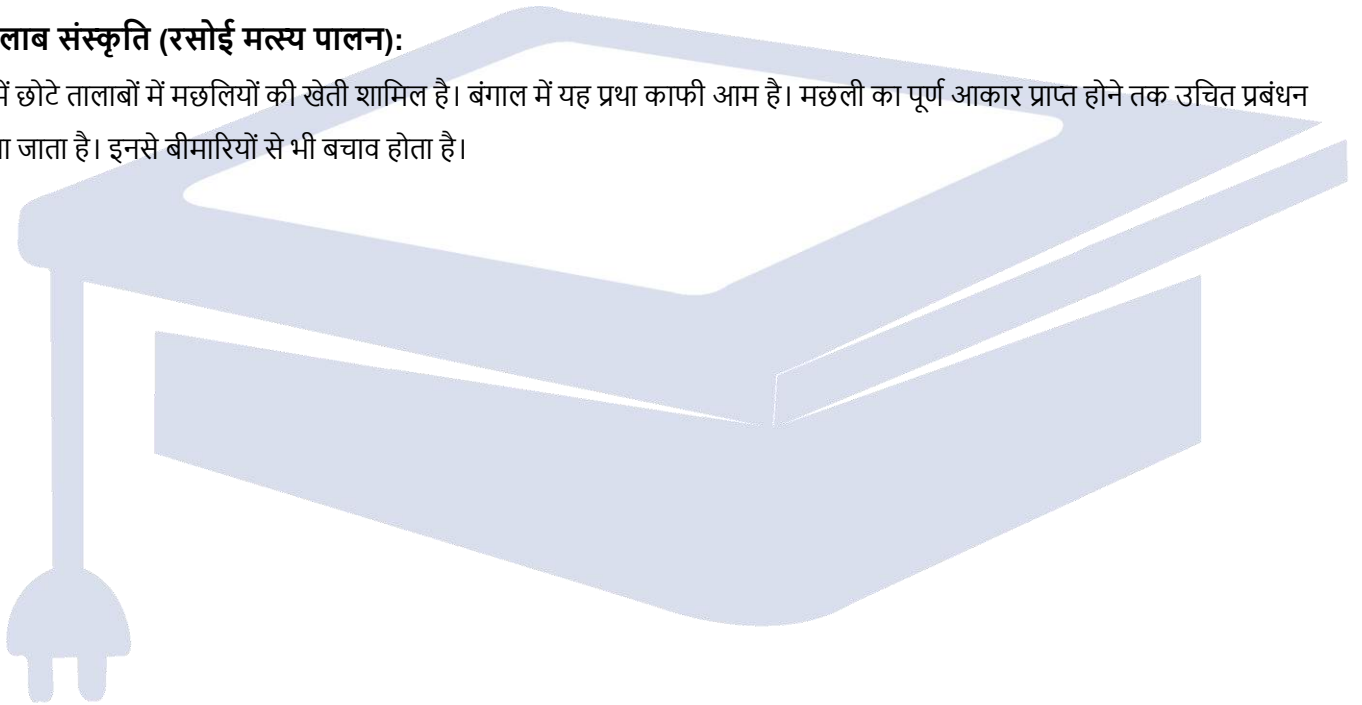


**पिस्सीकल्चर (मछली पालन):**

- इसका संबंध झीलों, नदियों, बड़े तालाबों, नहरों में मछलियों के उत्पादन से है और इसे ताजा पानी या अंतर्देशीय मत्स्य पालन कहा जाता है ।
- Pisciculture में युवा मछलियों नर्सरी तालाबों में पाला जाता है, झीलों या नदियों में स्थानांतरित कर दिया और अंत में मेज भोजन के लिए मछली के रूप में काटा ।

**तालाब संस्कृति (रसोई मत्स्य पालन):**

इसमें छोटे तालाबों में मछलियों की खेती शामिल है। बंगाल में यह प्रथा काफी आम है। मछली का पूर्ण आकार प्राप्त होने तक उचित प्रबंधन किया जाता है। इनसे बीमारियों से भी बचाव होता है।



LEARNIZY